M.A-Sem. II
CC-7, Unit-1

Dr. Ranjeet Kumar.
Deptt. of History
H.D. Jain College, Ara.



## बिहार का इतिहास - 600 ई०पू० - 600 ई०: "बिहार में राज्य गठन"

बिहार का इतिहास हजारों साल पुराना है। 600 ईसा पूर्व से 600 ई० के बीच बिहार के इतिहास में कई घटनाएँ घटी। इनमें से कुछ प्रमुख घटनाएँ निम्नलिखित है—

- बिहार के पहले राजा बिंबिसार थे, वे हर्यक वंश के राजा थे, उन्होंने 544 ई०पू० में राजगृह से मगध पर शासन किया था।
- बिंबिसार ने स्थायी सेना रखी थी।
- बिंबिसार ने राजवैद्य जीवक को भगवान बुद्ध की सेवा में नियुक्त किया था।
- बिंबिसार की हत्या महात्मा बुद्ध के विरोधी देवदत्त के उकसाने पर अजातशत्रु ने की थी।
- हर्यक वंश के शासक अजातशत्रु ने अपनी राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र में स्थापित की।
- महाभारत के प्रसिद्ध राजा जरासंध के बारे में भी कहा जाता है कि उसने मगध, बिहार से शासन किया था।
- मिथिला, जिसे माता सीता की जन्मभूमि कहा जाता है, बिहार, पर्यटन के रामायण सर्किट का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उत्तर वैदिक काल में जनपद का विकास हुआ तथा राज्य की कल्पना भौगोलिक आधार पर होने लगी। 6ठी शताब्दी ई०पू० तक छोटे-छोटे जनपदों को मिलाकर 'महाजनपदों' का निर्माण हुआ।

→

→

महात्मा बुद्ध से पूर्व ही इन महाजनपदों का उदय हो चुका था। इनमें राजतंत्रात्मक और गणतंत्रात्मक दोनों प्रकार के शासन प्रणाली वाले राज्य थे।

बौद्ध साहित्य 'अंगुत्तरनिकाय' एवं जैन ग्रंथ 'भगवती सूत्र' में 16 महाजनपदों का वर्णन इस प्रकार मिलता है — अंग, मगध, काशी, कोशल, वज्जि, मल्ल, चेदि, वत्स, कुरु, पांचाल, मत्स्य, शूरसेन, अस्मक, अवंती, गांधार और कम्बोज

बौद्ध ग्रंथों में इस समय के गणराज्यों का भी उल्लेख है जैसे — कपिलवस्तु के शाक्य, रामगाम के कोलिय, पावा के मल्ल, कुशीनारा के मल्ल; मिथिला के विदेह, पिप्पलिवन के मोरिय, सुसुमागिरि के भग्ग, अलकप्प के बुलि, केसपुत्त के कलाम और वैशाली के लिच्छवी।

(1.) अंग — इसकी राजधानी चम्पा (मालिनी) थी। भागलपुर (बिहार) का चम्पानगर आज भी इसकी धरोहर के रूप में सुरक्षित है।

अंग महाजनपद का विस्तार आधुनिक भागलपुर तथा मुंगेर के क्षेत्रों में था। चम्पा का वास्तुकार महागोविंद था, 'चम्पा' कला, संस्कृति सभ्यता तथा व्यापार का केन्द्र था। कालांतर में मगध शासक बिंबिसार ने अंग को मगध में मिला लिया।

→

→ (2.) 'मगध' :- इसकी राजधानी 'राजगृह' थी। इसमें पटना और गया के आधुनिक जिले सम्मिलित थे। यह तत्कालीन महाजनपदों में सबसे शक्तिशाली था। बुद्ध के पहले बृहद्रथ और जरासंध मगध के शासक थे। और बुद्ध के समय बिंबिसार और अजातशत्रु।

(3.) 'वज्जि' :- गंगा के उत्तर में स्थित तिरहुत प्रमंडल में वज्जियों का राज्य था, यह आठ कुलों का संघ था, इसकी राजधानी वैशाली थी। इस संघ में लिच्छवी, विदेह और ज्ञात्रिक महत्वपूर्ण थे।

बुद्ध के समय छठी शताब्दी ईसा पूर्व में कौशल, वत्स, अवंती और मगध जैसे चार महाजनपद बड़े राज्यों के रूप में उभरे।

शाक्यों, मल्लों और कोलियों पर अपनी सर्वोच्चता स्थापित कर तथा काशी को जीतकर 'कोशल' महान बना। इसकी राजधानी श्रावस्ती थी। यहाँ महाकोसल तथा उसका पुत्र प्रसेनजित राज करते थे। आधुनिक अवध ही कोशल था। वत्स पर उदयन राज करता था, जो भरत वंश का था। इसने प्रद्योत की पुत्री वासवदत्ता का अपहरण किया था। इसी उदयन का भास ने अपने नाटक स्वप्नवासवदत्ता में उल्लेख किया है।

—